ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:12.03.2024

नैनीताल (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान–जारी करने का दिन: 2024-03-12 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	13/03/2024	14/03/2024	15/03/2024	16/03/2024	17/03/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	4.0	1.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान (से.)	20.0	19.0	19.0	20.0	20.0
न्यूनतम तापमान (से.)	6.0	7.0	8.0	7.0	7.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	25	25
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	10	9	8	9
पवन दिशा (डिग्री)	270	270	270	270	270
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	2	1	1	6

सम सारांश/ चेतावनी:

आने वाले दिनों में 13 और 14 मार्च को 1.0-4.0 मिमी की हल्की वर्षा होने का अंदेशा है तथा अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 19-20oC और 6-8oC के बीच हो सकता है। 8-10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम दिशा से हवा चलने का अनुमान है. इस क्षेत्र में अधिकांश दिनों में शुष्क मौसम रहने की उम्मीद है, इसलिए कृषि गतिविधियों को तदनुसार निर्धारित किया जा सकता है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में एक नियमित अपडेट “मेघदूत ऐप” पर उपलब्ध है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए “दामिनी ऐप” भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र) और ऐप सेंटर (iOS यूज़र) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। आईएमडी द्वारा जारी विस्तारित सीमा पूर्वानुमान प्रणाली से पता चलता है कि 01-14 मार्च तक अनुमानित प्रवृत्ति में कम वर्षा, सामान्य अधिकतम और सामान्य से कम न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति देखी जाएगी। मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है, इसलिए फसल के महत्वपूर्ण चरणों में आवश्यकतानुसार उचित कृषि उपाय प्रदान किए जाने चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार, मौसम शुष्क रहेगा, इसलिए फसल के महत्वपूर्ण चरणों में उचित सिंचाई और रासायनिक अनुप्रयोग के उपाय किए जाने चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
मसूर	फूल आना/ फली निर्माण	सिंचाई फूल आने/फली लगने के समय और रासायनिक प्रयोग रोग/कीट लगने की स्थिति में करना चाहिए।
तोरिया (लाही/घरिया) और पीली सरसों (राड़ा)	परिपक्वता/ फली निर्माण	पकी हुई फसल की कटाई कर उसे गहाई से पहले अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए, जबकि फली बनने की अवस्था में सिंचाई के उचित उपाय करने चाहिए।
गेहूँ	वानस्पतिक/ फूल आना	सिंचाई अनुप्रयोग को आवश्यकता के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए और प्रमुख प्रतिस्पर्धी खरपतवारों के खिलाफ उचित खरपतवार प्रबंधन उपाय किए जाने चाहिए। रोग/कीट को नियंत्रित किया जाना चाहिए और वर्षा आधारित परिस्थितियों में फूल आने की अवस्था में यूरिया का प्रयोग करना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
फ़्रेंच बीन	बुआई	अंकुरित पौधों की आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए।
मूली/गाजर	बुआई	पहाड़ी क्षेत्रों में यूरोपीय किस्मों की बुआई की जा सकती है।
सब्जी मटर	फूल आना/ फली निर्माण	सिंचाई फूल आने/फली लगने के समय और रासायनिक प्रयोग रोग/कीट लगने की स्थिति में करना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशु पालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	गाय / भैंसों में संक्रामक अतिसार होने की आशंका पर मुँह से ई. कोलाई नामक वैक्सीन दिलवायें तथा 2 माह के बछड़ो को कृमिनाशी दवा देनी चाहिए।
भेड़	ऊन उत्पादन हेतु भेड़/बकरियों की साफ़ - सफाई, ऊन की कटाई से पूर्व अच्छे से कर लें।